अर्हम्

शुभम् भूयात् मंगलम् भूयात् कल्याणम् भूयात्

पाथेय

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद्

वर्ष – 7 अंक : 9–10

धम्मो मंगल–मुक्किट्ठं, अहिंसा संजमो तवो।
देवा वि तं नमंसंति, जस्स धम्मे सया मणो।।

सितम्बर–अक्टूबर 2014

अध्यक्ष उवाच्

प्रिय युवा साथियों,

सादर जयजिनेन्द्र!

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् भारत और नेपाल में अपने–अपने क्षेत्रों में अनुशासित एवं मर्यादित रहते हुए आध्यात्मिकता के साथ–साथ समाजोपयोगी कार्यों में सक्रिय रूप से कार्यरत है। तेरापंथ धर्मसंघ एक गौरवशाली धर्मसंघ है इसको हिमालयी उँचाईयाँ प्रदान करने में आचार्य एवं साधु–साध्वियों का अतुलनीय योगदान रहा है तो इस संघ के श्रावक–श्राविकाओं ने भी पूर्ण समर्पण के साथ संघ प्रभावना में अपनी भागीदारी दर्ज करवाई है।

साथियों, सितम्बर माह परिषद् के लिए आयोजन भरा रहा। एक कीर्तिमान का सृजन हुआ तो वहीं संगठन ने अपनी शाखाओं के माध्यम से एक सूत्रता का परिचय दिया। देश–विदेश के लगभग 683 स्थानों पर एक आह्वान को लक्षित कर समाज सेवा के कार्य में उतरना अपने आपमें गौरव की अनुभूति करवाने वाला है। सितम्बर माह में जहाँ एक तरफ लोकोपकारी महारक्तदान शिविर का अभियान सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ तो वहीं दूसरी तरफ परिषद् के स्वर्ण जयन्ती वर्ष के अवसर पर गुरूदेव तुलसी को समर्पित श्रद्धा–सुमनों के साथ 48वां राष्ट्रीय अधिवेशन भी ऐतिहासिक रहा। जैन विद्या कार्यशाला, जैन विद्या परीक्षा, अभिनव सामायिक आदि भी परिषद् परिवार द्वारा विगत में सफलतापूर्वक सम्पादित हुए, आयोजनों के केन्द्रीय संयोजक क्रमशः श्री रमेश पटावरी–ईरोड़ एवं श्री विनोद माण्डोत–उदयपुर ने काफी श्रम किया, वे साधुवाद के पात्र हैं। इस अवसर पर समस्त युवाशक्ति की ओर से मैं गुरूदेव तुलसी का स्मरण करता हुआ, परम् श्रद्धेय आचार्य प्रवर के प्रति कृतज्ञ हूँ। समस्त चारित्रात्माओं के मार्ग दर्शन एवं वरिष्ठजनों के प्रोत्साहन से अभिभूत हो हमारे सभी युवा सेनानियों के प्रति भी हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

6 सितम्बर 2014 को परम् पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी के आशीर्वाद से आचार्य तुलसी जन्म शताब्दी वर्ष एवं अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के स्वर्ण जयन्ती वर्ष को लक्षित कर संगठन ने जन कल्याणकारी उपक्रम के रूप में मानव सेवा के संकल्प के साथ एक लाख यूनिट रक्त एकत्रित करने का चुनौती भरा लक्ष्य हाथ में लिया है। तेरापंथ धर्मसंघ की युवा शक्ति ने इस चुनौती को अपने कार्यकौशल संघ व संगठन के प्रति सर्वात्मना समर्पण की भावना को मद्देनजर रखते हुए अपने दायित्व बोध के साथ में 1,00,212 यूनिट रक्तदान करवा कर लक्षित मंजिल को प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। मानवीय एवं नैतिक मूल्यों के विकास के लिए प्रयत्नशील एवं संप्रदाय के रूप में पहचान बनाई। आन्दोलन असांप्रदायिक बना और देश का जनमानस इस महाअभियान से जुड़ गया। जैन–जैनेत्तर समाज इस स्वैच्छिक रक्तदान के महाअभियान से जुड़कर मानवता की सेवा में एक नए इतिहास का सृजन करते हुए पूरे विश्व को एक संदेश दे गया कि तेरापंथ धर्मसंघ के युवकों ने अपने प्रबल संकल्प और समर्पण से वह कर दिखाया जो निष्ठा के लिए अविस्मरणीय है।

मैं 17 सितम्बर 2012 को आयोजित मेगा ब्लड़ डोनेशन ड्राईव के बारे में कह सकता हूँ कि वह सफल प्रयास था और एक मजबूत नींव थी। हम सबके लिए जिससे हमें 6 सितम्बर 2014 को इस नींव को और ऊपर उठाने का साहस मिला। हमें इस बात की खुशी है कि इस महाअभियान के माध्यम से देश–विदेश में तेरापंथ धर्मसंघ के नाम को जनमानस तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध हुए हैं। तेरापंथ का नाम सेवा क्षेत्र में अग्रिम पंक्ति में दर्ज होने के पीछे समाज के सभी महानुभावों का सहयोग रहा है। यह ही नहीं पूरा भारत, बेल्जियम, यू.एस.ए., थाईलैण्ड व नेपाल आदि जात–पाँत, संप्रदाय के बंधनों से मुक्त होकर हमारे इस नेक

कार्य से जुड़ गये। इस महाअभियान की आयोजना, संयोजना एवं क्रियान्विति में योगभूत बनी तेरापंथ धर्मसंघ की युवा शक्ति को हृदय की अनंत गहराईयों से आभार एवं साधुवाद।

मेगा ब्लड डोनेशन ड्राईव की सफलता में भारत सरकार, राज्य सरकारों, पुलिस विभागों, सेना विभागों, उच्चाधिकारियों, धर्मगुरुओं, खिलाड़ियों, सिने–सितारों, गीतकारों, विभिन्न दूरसंचार कम्पनियों, कोरियर कम्पनियों, ट्रांसपोर्टरों, महाविद्यालयों, बैंकों, अनुदानदाताओं, ब्लड बैंकों, स्वयंसेवी संगठनों, इलैक्ट्रोनिक, प्रिन्ट मीडिया एवं नेशनल एड्स कन्ट्रोल ओरगेनाईजेशन के साथ–साथ, देश–विदेश की जनता आदि का सहयोग एवं मंगलकामनाएं लक्षित मंजिल को प्राप्त करने में योगभूत बनी, सभी के प्रति आभार।

मेगा ब्लड डोनेशन के राष्ट्रीय संयोजक श्री हितेश भांडिया, पर्यवेक्षक श्री विमल कटारिया, सलाहकार श्री राजेश सुराणा एवं अभियान से जुड़े क्षेत्रीय संयोजकों एवं परिषदों नें जिस तरह से अपने श्रम, समय एवं संसाधनों का समयबद्ध नियोजन किया बधाई एवं धन्यवाद के पात्र हैं। अभियान के सफल संचालन हेतु जयपुर एवं बेंगलोर में अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कन्ट्रोल रूम स्थापित किये गये। कन्ट्रोल रूम में तकनीकी प्रतिभाओं के धनी युवा साथियों ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारियों एवं प्रचार–प्रसार की सामग्री की उपलब्धता भी सुनिश्चित की। तेरापंथ धर्मसंघ के इस मानव कल्याणकारी अभियान में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोगी बने विशिष्ट जनों के प्रति हार्दिक आभार।

सेवा के इस अभियान की लक्षित मंजिल प्राप्त कर लेना युवा शक्ति की सक्रियता एवं कार्यकौशलता का सूचक है। इसे कायम रखते हुए हमें और विकास करना है।

14 सितम्बर 2014 को प्रातः अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् की तृतीय प्रबन्ध मण्डल की बैठक में कृत कार्यों की समीक्षा व भावी कार्यक्रमों पर चिन्तन एवं संविधान संशोधन की स्वीकृति के पश्चात् उसी दिन आयोजित कार्यसमिति की बैठक में भी उपरोक्त विषयों को पारित किया गया। भावी कार्यक्रमों एवं संविधान संशोधन की जानकारी अतिशीघ्र महामंत्री महोदय द्वारा प्रेषित की जायेगी।

15 सितम्बर 2014 को अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के 48वें वार्षिक अधिवेशन के अवसर पर संघ महानिदेशिका साध्वीप्रमुखा श्री कनकप्रभाजी का पावन सान्निध्य मिला। धर्म, आध्यात्म वाले समाज के स्वप्न को साकार करने हेतु समाज की युवा शक्ति को प्रेरणा, प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर साध्वीश्री कल्पलताजी एवं साध्वी श्री जिनप्रभाजी ने भी युवा शक्ति को अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक बने रहने व क्षमताओं के विकास को आत्मसात् करने का आह्वान किया व नशामुक्त जीवन जीने की प्रेरणा प्रदान की।

16 सितम्बर 2014 को अधिवेशन के दूसरे दिन पूज्य मंत्री मुनिश्री सुमेरमलजी स्वामी का पावन सान्निध्य मिला। युवा शक्ति को आध्यात्म तप, ज्ञान एवं तत्वज्ञान के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित कर धर्मसंघ का एक गौरवपूर्ण इतिहास सृजित करने का मार्गदर्शन दिया। इसी कड़ी में उपस्थित सभी युवा साथियों ने तत्वज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मुनिश्री विजयकुमारजी, मुनिश्री मोहजीतकुमारजी, मुनिश्री अभिजीतकुमारजी ने क्रमशः गीत व युवाओं को सजक प्रहरी बने रहते हुए बूंद से समुद्र बन विवेक चेतना को स्थापित करने व युवाओं के डीएनए में युवकत्व हो क्योंकि युवा के खून में अनुशासन, मर्यादा व सेवा का संस्कार है पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

17 सितम्बर 2014 को स्वर्ण जयंती समापन समारोह के पुनीत अवसर पर आचार्य प्रवर के 5 दिवसीय बर्हिविहार कर पुनः अध्यात्म साधना केन्द्र में पधारने के समय प्रातः युवा रैली की आयोजना की। युवाओं ने मार्ग में आचार्य श्री महाश्रमणजी का गर्मजोशी के साथ 'जय–जय ज्योति चरण, जय–जय महाश्रमण', 'नूतन चिन्तन–नया विकास, युवकों में जागे विश्वास' के जयघोष करते हुए उनका स्वागत कर अभिनन्दन किया।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के इतिहास में अबकी बार ऐसा संयोग बना कि 15 सितम्बर को साध्वीप्रमुखाश्रीजी, 16 सितम्बर को पूज्य मंत्री मुनिश्री तथा 17 सितम्बर 2014 को अ.भा.ते.यु.प. का स्वर्ण जयन्ती समापन समारोह आचार्य श्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में हुआ। देश–विदेश से समागत सम्भवतः पिछले एक दशक में प्रथम बार इस अधिवेशन में युवकों की उपस्थिति संख्या एक हजार से अधिक की रही, यह धर्मसंघ की युवा शक्ति की सक्रियता का द्योतक है।

अधिवेशन एवं अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के स्वर्ण जयन्ती वर्ष के समापन समारोह के अवसर पर युवा मनीषी परम् पूज्य आचार्यप्रवर ने फरमाया कि अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् की स्वर्ण जयन्ती का अवसर है किसी संस्था के लिए 50 वर्षों का आयुष्य भी अपने आपमें महत्वपूर्ण होता है। 50 वर्ष विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहे हों तो और ज्यादा महत्वपूर्ण हो

जाता है। युवक संघर्षों से घबराएँ नहीं। स्वर्ण घर्षण से ही निखरता है। युवा संघर्षों को मनोबल के साथ झेलें, युवक अपनी वृत्तियों से संघर्ष करें। युवक में विवेक होना चाहिए। जोश तो होना अच्छा है पर साथ में होश भी होना चाहिए। जोश विहीन होश व होश विहीन जोश अपने आपमें पर्याप्त नहीं है और होश विहीन जोश गलत हो जाता है। आचार्यप्रवर ने उपस्थित युवकों को नशा मुक्त रहने की प्रेरणा देते हुए युवकों की भावनानुरूप संकल्प करवाया। पूज्य प्रवर से प्रेरणा पाथेय प्राप्त कर युवा शक्ति में नई ऊर्जा का संचार हुआ। भावी योजनाओं एवं लक्ष्य की प्राप्ति की ओर अग्रसर होने का मार्ग प्रशस्त हुआ। परम् पूज्य आचार्यप्रवर, संघ महानिदेशिका साध्वीप्रमुखाश्रीजी, पूज्य मंत्री मुनिप्रवर एवं समस्त चारित्रात्माओं के प्रति अनन्त–अनन्त कृतज्ञता।

अधिवेशन की थीम **'योगक्षेमं वहाम्यहम्'** अप्राप्त की प्राप्ति व प्राप्त का संरक्षण थी। आचार्य प्रवर ने महती कृपा कर मुनिश्री दिनेश कुमारजी को अधिवेशन सम्बन्धित मार्गदर्शन देने हेतु मनोनीत किया। मुनिश्री ने अभातेयुप के 50 वर्षों के इतिहास के सारगर्भित तथ्यों का समावेश करते हुए एक सुन्दर गीत की रचना की, जिसका संगान श्री मनोज नाहर व श्री जयसिंह दुगड़ ने अपनी सुमधुर आवाज में किया। मुनिश्री के कुशल निर्देशन में अधिवेशन सानन्द सम्पन्न हुआ। मुनिश्री के प्रति कृतज्ञता व संगानकर्त्ताओं को आभार व धन्यवाद।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा प्रकाशित युवादृष्टि के 500वें अंक **'सफर'** अर्द्धसहस्रांक का विमोचन पूज्य प्रवर के श्री कमलों द्वारा किया गया है इस अंक के प्रकाशन में युवादृष्टि के कार्यकारी सम्पादक श्री सुधीर चौरड़िया एवं सह–सम्पादक श्री नवीन बाँठिया का श्रम विशेष उल्लेखनीय है। प्रकाशन प्रभारी श्री राजेश जम्मड़ व सह–प्रभारी श्री पंकज सिसोदिया ने विज्ञापन एकत्रित करने हेतु अपने श्रम का नियोजन महामंत्री श्री हनुमानचंद लुंकड़ के सार्थक निर्देशन में किया। 'सफर' अंक में विज्ञापनदाताओं, क्लासिक ऑफसेट, श्री उपेन्द्र शर्मा आदि का सहयोग प्रकाशन में योगभूत रहा। सभी के प्रति हार्दिक आभार। पाठकगण इस अंक की प्राप्ति के पश्चात् अपने विचार अवश्य प्रेषित करावें। अंक के वितरण की सूची अतिशीघ्र प्रकाशित होगी।

परिषदों द्वारा प्रेषित शाखा प्रतिवेदन को व्यवस्थित स्वरूप प्रदान करना एक श्रमसाध्य कार्य है जिसे महामंत्री श्री हनुमानचंद लुंकड़ द्वारा बखुबी निभाया गया। उनके श्रम नियोजन हेतु हार्दिक आभार।

अधिवेशन पर परिषदों द्वारा कृत कार्यों का मूल्यांकन, प्रोत्साहन एवं सम्मान भी अपेक्षित है। श्रेष्ठ व विशिष्ट परिषद् (सेवा, संस्कार एवं संगठन) विशिष्ट किशोर मण्डल, सेवा, संस्कार एवं संगठन व प्रकाशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए पुरस्कृत परिषदों को बधाई एवं शुभकामनाएं। संघ एवं संगठन को अपनी विशिष्ट सेवा प्रदान करने वाले महानुभावों को पूज्यप्रवर के आशीर्वाद से अलंकरण व सम्मान प्रदान किया गया। अलंकरणों हेतु गठित समिति सदस्यों एवं अर्थ सौजन्य प्रदाता परिवारों के प्रति हार्दिक आभार व धन्यवाद। अधिवेशन एवं पुरस्कारों हेतु अनुदानदाताओं का सहयोग नितांत आवश्यक है साथ ही व्यवस्थाओं में सहयोग हेतु आचार्य महाश्रमण प्रवास व्यवस्था समिति–दिल्ली, तेयुप दिल्ली, अधिवेशन संयोजक श्री बी. सी. भलावत, सह–संयोजक श्री अशोक संचेती, श्री गौरव माण्डोत, श्री संदीप डूंगरवाल, श्री मुकेश सेठिया एवं अधिवेशन से सम्बन्धित व्यवस्थाओं के लिए गठित विभिन्न समिति के सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार।

किशोर साथियों के व्यक्तित्व विकास की दृष्टि से समय–समय पर कार्यशालाओं, सम्मेलनों एवं अधिवेशनों का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में शासनश्री साध्वी नगीनाश्रीजी के सान्निध्य में मेवाड़ स्तरीय किशोर मण्डल सम्मेलन–केलवा में आयोजित हुआ परिषद् अध्यक्ष–श्री सुनील कोठारी, मंत्री–श्री हस्ती कोठारी, किशोर मण्डल संयोजक–श्री उज्ज्वल कोठारी, सहसंयोजक–श्री ऋषभ मेहता के साथ–साथ पूरी टीम की सक्रियता उल्लेखनीय है केन्द्रीय संयोजक–श्री दीपक सिंघवी (उदयपुर) का श्रम सम्मेलन की सफलता में योगभूत बना। सभी के प्रति आभार व धन्यवाद।

अहिंसा यात्रा परम् पूज्य आचार्य प्रवर के दिशा–निर्देशन में 9 नवम्बर 2014 से प्रारम्भ होगी। जिसकी गूंज न केवल भारत अपितु नेपाल आदि क्षेत्रों तक होगी। इस महत्वपूर्ण यात्रा में सम्पूर्ण युवाशक्ति को योगभूत बनना है। चातुर्मास की परिसम्पन्नता के बाद चारित्रात्माओं के विहार का क्रम प्रारम्भ होगा। सदैव की भांति हमारे कर्मठ एवं ऊर्जावान युवा साथी रास्ते की सेवा उपासना के दायित्व का पूर्ण जागरूकता के साथ निर्वहन करेंगे, ऐसा विश्वास है।

दीपावली के शुभ अवसर पर आप सभी साथियों को बहुत–बहुत मंगलकामनाएं।

आपका अपना

अविनाश नाहर

दिशा - निर्देश

1. शाखा परिषदें पाथेय का वाचन अपनी कार्यसमिति की बैठक में अवश्य करें। दिशा–निर्देशों के प्रति सजगता एवं सक्रियता परिषदों के मूल्यांकन में महत्त्वपूर्ण होगी।
2. तेयुप कार्यकारिणी का प्रत्येक सदस्य पूर्ण रूप से व्यसन मुक्त होना अनिवार्य है। अगर कोई भी पदाधिकारी/कार्यसमिति सदस्य व्यसन मुक्त नहीं है तो वह व्यसन मुक्त बनें या आत्मसाक्षी से अपने पद/दायित्व का विसर्जन करें।
3. स्थानीय शाखा परिषदें अपने क्षेत्र में ही कार्य करें एवं मार्च 2015 तक किसी भी प्रकार की खेल प्रतियोगिता का आयोजन न करें। कोई भी शाखा परिषद् यदि कोई स्थायी प्रकल्प/कार्यक्रम करती है तो अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष से अनुमति अवश्य प्राप्त करें।
4. शाखा परिषदें अपने बकाया शुल्क अभातेयुप के बैंक खाते (OBC, Ladnun A/c No. 10272010002800) या (SBI, Ladnun A/c No. 30313076278) में जमा करावें। रसीद की प्रतिलिपि पंजीकृत कार्यालय, लाडनूं में भिजवाएं। अभातेयुप कार्यालय एवं प्रकाशन से सम्बन्धित सभी प्रकार के पत्राचार प्रशासनिक कार्यालय (दिल्ली) से ही करें।
5. अभातेयुप के तत्त्वावधान में आयोजित होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा महामंत्री कार्यालय से निश्चित रूप से स्वीकृत करावें, निर्देश की अवहेलना पर अभातेयुप का तत्त्वावधान नहीं माना जाएगा।
6. शाखा प्रभारी अपने प्रभार की परिषदों से निरन्तर सम्पर्क में रहकर उनके कार्यों में सहयोग एवं मार्गदर्शन करें। साथ ही शाखा परिषदें भी अपने प्रभारी के साथ निरन्तर संपर्क में रहें।
7. आपके सुझाव एवं पतों में परिवर्तन तथा प्रकाशन सम्बन्धित शिकायतों की जानकारी suggestion.abtyp@gmail.com पर मेल करें।
8. शाखा परिषदें अपने कार्यक्रमों की जानकारी द्विमासिक रिपोर्ट के प्रारूप में ही भरकर भिजवाएं न कि प्रत्येक कार्यक्रम की सूचना/रिपोर्ट अलग से भिजवाएं। रिपोर्ट महामंत्री एवं शाखा प्रभारी के पास ही भेजें। कार्यक्रम की रिपोर्ट सम्बन्धित कार्यक्रम संयोजक को अवश्य भेजें।
9. शाखा परिषदें अपने–अपने क्षेत्रों में निम्न विषयों पर क्षेत्रीय कार्यशालाएं आयोजित कर सकती हैं :–

   1. व्यक्तित्व विकास कार्यशाला, 2. जैन संस्कार कार्यशाला, 3. किशोर मण्डल सम्मेलन। जो परिषदें अपने क्षेत्र में क्षेत्रीय/आंचलिक कार्यशालाएं/सम्मेलन आयोजित करना चाहती हैं, वे अपने शाखा प्रभारी के माध्यम से कार्यक्रम प्रभारी एवं महामंत्री कार्यालय से सम्पर्क करें।
10. अभातेयुप के पदाधिकारी किसी भी शाखा परिषद् की संगठन यात्रा पर आऐं, तब वहां की परिषद् साफा, शॉल, माला, मोमेन्टो, साहित्य एवं किसी भी प्रकार के गिफ्ट इत्यादि से सम्मान करने का क्रम न रखें। आपका उदारमना सहयोग एवं आदरभाव ही कार्यकत्ताओं के लिए प्रेरक बनता है।
11. केन्द्रीय परिषद् से जुड़े हुए स्थानीय व्यक्ति स्थानीय शाखा परिषद् कार्यसमिति में अनिवार्य रूप से विशेष आमंत्रित/कार्यसमिति सदस्य/प्रभारी/पदाधिकारी/परामर्शक के रूप में हों।
12. स्थानीय परिषद् द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में अगर उसी स्थान पर अभातेयुप का पदाधिकारी हो तो उस कार्यक्रम की अध्यक्षता वे ही करें, ऐसा सुनिश्चित हो।
13. आचार्य तुलसी जन्म शताब्दी वर्ष में सभी शाखा परिषदें प्रत्येक माह की कृष्ण पक्ष तीज को धम्मजागरण का कार्यक्रम अवश्य समायोजित करें।
14. अभातेयुप के पदाधिकारी/प्रभारी/कार्यसमिति सदस्य/क्षेत्रीय सहयोगी द्वारा सम्पन्न संगठन यात्राओं का संक्षिप्त विवरण pathey.abtyp@gmail.com पर प्रत्येक महीने की अन्तिम तिथि तक आवश्यक रूप से मेल करें।
15. स्वर्ण जयन्ती वर्ष के उपलक्ष में अभातेयुप की नवगठित टीम द्वारा उपवास एवं एकासन का क्रम 1 दिसम्बर 2013 से प्रारम्भ हो गया है। निर्जरा के इस उपक्रम में शाखा परिषद् के साथी भी सहभागी बन सकते हैं। उपवास व एकासन की बारी के लिए अपना नाम **श्री रमेश डागा (चैन्नई) 09840136646** को लिखावें।
16. परिषद् के अधिक से अधिक सदस्य नियमित सामायिक एवं श्रावक प्रतिक्रमण कण्ठस्थ करने का सलक्ष्य प्रयास करें।
17. तेरापंथ युवक परिषद् की सभी शाखाओं से आह्वान है कि चुनाव/मनाव होने के साथ ही MBDD (6 सितम्बर 2014) के लिए संयोजक की नियुक्ति कर दें।
18. अभातेयुप द्वारा संचालित जैन तेरापंथ न्यूज (JTN) में समाचार प्रेषण हेतु ई–मेल : jtnmain@gmail.com एवं समाचार देखने हेतु www.jainterapanthnews.in व www.facebook.com/jainterapanthnews1 का उपयोग करें।
19. समस्त परिषदें अपने सदस्यों की सूची अनिवार्य रूप से भेजें। सूची में पूर्ण पता मय पिन कोड़, मोबाईल नम्बर, फोन नम्बर, निवास व कार्यक्षेत्र, जन्म दिनांक मय महीना व वर्ष, ब्लड ग्रुप व ई–मेल ID सहित Excel Format में भेजें।

श्री अमित नाहटा (संगठन मंत्री, अ.भा.ते.यु.प)
Sri Jain Distributors
Mahavir Nagar, Araria Court - 854 311, Bihar
Mob : 09931708149, e-mail : amitabtyp@gmail.com

आगामी कार्यक्रम

संगठन द्वारा आगामी आयोजित कार्यक्रमों की संक्षिप्त रूपरेखा इस प्रकार है:

1. गुजरात स्तरीय किशोर मण्डल कार्यशाला	**14 अक्टूबर 2014**	**सूरत**
2. दक्षिणांचल सम्मेलन	**1-2 नवम्बर 2014**	**कोयम्बतूर**

उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में हमारी सभी सम्बन्धित शाखा परिषदें अपनी सक्रियता का परिचय देकर सहभागिता दर्ज करावें क्योंकि ये क्षेत्रीय कार्यक्रम ही हमारी सक्रियता के सोपान है। अनेक क्षेत्रों में प्रवासित सैंकड़ों-सैंकड़ों युवाओं के साथ सम्पर्क होना, परिषद् की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करना, नये कार्यक्रमों की प्रस्तावना तैयार होना आदि गतिविधियों का समावेश इन आंचलिक एवं क्षेत्रीय सम्मेलनों के माध्यम से उजागर होते है। अत: उपरोक्त कार्यक्रमों के क्षेत्रों में प्रवासित युवा साथियों से आह्वान है कि वे इन कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से सहभागी बनकर संगठन को नई ऊचाईयाँ प्रदान करें जिससे प्रत्येक क्षेत्र में संगठन की एक नई पहचान बने और हम सब मिलकर सेवा, संस्कार और संगठन के क्षेत्र में कुछ नये पृष्ठ आलेखित कर सकें।

व्यक्तित्व विकास अक्टूबर माह

तेरापंथ युवक परिषद् एक ऐसी निर्माणशाला है जहां त्रिआयामी उद्देश्यों को पूर्ण करते हुए हर सदस्य अपने व्यक्तित्व में निरंतर विकास एवं निखार करता है। व्यक्तित्व विकास में स्वाध्याय एक बहुत बड़ा माध्यम सिद्ध हुआ है और हमें गर्व है कि हमारे पास आचार्यों की ऐसी कृतियां एवं रचनाएं मौजूद हैं जिनका उपयोग विश्व के कई विद्वान एवं विचारक भी अध्ययन कर लाभ उठाते रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि इन्हीं कृतियों के माध्यम से परिषद् के सभी सदस्य लाभान्वित हों।

उपरोक्त लक्ष्य को परिणित करने हेतु अक्टूबर माह को व्यक्तित्व विकास माह के रूप में मनाने का निश्चय किया गया है। आप सभी से अनुरोध है कि अक्टूबर माह के दौरान सभी परिषदों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में निम्न साहित्यों पर व्यक्तित्व विकास कार्यशालाओं का आयोजन कर सकते हैं।

क्रमांक	**पुस्तक का नाम**	**रचयिता**
1.	परिवार के साथ कैसे रहें	आचार्य श्री महाप्रज्ञ
2.	लघुता से प्रभुता मिले	आचार्य श्री तुलसी

इन कार्यशालाओं को आप परिषद् के स्तर पर या फिर क्षेत्रीय स्तर पर भी आयोजित कर सकते हैं तथा कार्यशाला के अलावा प्रश्नोत्तरी, पैनल परिचर्चा, भाषण प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, ग्रुप डिस्कशन जैसे उपक्रमों के माध्यम से भी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। प्रत्येक साहित्य छूट के साथ ₹50/- परिवहन शुल्क सहित उपलब्ध करवाई जा रही है। पुस्तकों की उपलब्धता एवं अन्य जानकारी के लिए आप निम्नलिखित सूत्रों से सम्पर्क कर सकते हैं :-

1. श्री श्रेयांस डागा, दिल्ली- 09313622002

2. श्री राजेश बैद, किशनगंज - 09955299999

3. श्री पवन मांडोत, बेंगलोर- 09886139038

श्री नरेन्द्र माण्डोत्तर (पर्यवेक्षक)
Electrocom Technology India Ltd.
712, Sukhsagar Complex, Near Hotel Fortune Landmark
Ashram Road, Ahmedabad - 380014 (Gujarat)
Mob : 09426339713, E-mail : narendraabtyp@gmail.com

श्री संजीव जैन बैद (प्रभारी-व्यक्तित्व विकास)
S.B. Engineers
Plot No. 2,3 & 4 , Dharamkanta Road
Mujessar, Faridabad - 121005 (Haryana)
Mob : 09891997478, E-mail : sbe_2000in@yahoo.co.in

अहिंसा यात्रा में रास्ते की सेवा हेतु आह्वान

तेरापंथ धर्मसंघ सेवा के लिए जैन धर्म में अपनी एक विशिष्ट पहचान रखता है। कई अवसरों पर तेरापंथ को सेवा के पर्यायवाची के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। सेवा केन्द्रों पर जब श्रावक समाज जाकर देखता है तो वहां उसे तेरापंथ का जीवन्त रूप दिखाई देता है। तेरापंथ युवक परिषद् की युवा शक्ति इसी का अनुसरण करते हुए आचार्यप्रवर एवं चारित्रात्माओं के रास्ते की सेवा व गोचरी–पानी की सेवा में विवेक के साथ अग्रसर रहती है।

अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमणजी की अहिंसा यात्रा दिनांक : 9 नवम्बर 2014 को अध्यात्म साधना केन्द्र, दिल्ली से प्रारम्भ हो रही है। अहिंसा यात्रा देश के विभिन्न क्षेत्रों के साथ नेपाल व भूटान का भी स्पर्श करेगी। इस अहिंसा यात्रा में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् अपनी शाखा परिषदों से आह्वान करती है कि पूज्यप्रवर के विहार में रास्ते की सेवा व उपासना करने हेतु ज्यादा से ज्यादा संख्या में सदस्यों को प्रोत्साहित करें।

अभातेयुप दिल्ली से बिराटनगर (नेपाल) तक की यात्रा का कार्यक्रम 'पहले आओ, पहले पाओ' की नीति पर आधारित रखेगा। दिनांक : 9 नवम्बर से 25 नवम्बर 2014 तक तेयुप सूरत आ रही है। इच्छुक परिषदें क्षेत्र का नाम, दिनांक (अनुकूलतानुसार) व सदस्य के नाम मय परिचय के साथ रजिस्टर्ड करवाने हेतु सम्पर्क करें :–

श्री संजय जैन (पर्यवेक्षक)
Parag Properties
15-A, Behind Anaj Mandi, Bhattu Road
Fatehabad - 125050 (Haryana)
M. : 09215517430
e-mail : sanjayabtyp@gmail.com

श्री रमेश सोनी (प्रभारी, सेवा)
Mahaveer Granite & Marble Udyog
Kalla Khedi Viran, Karziya Ghati, NH-8
Nathdwara - 313301, Dist. Rajsamand (Raj.)
M. : 09414171353
e-mail : kamleshdhakar1961@gmail.com

श्री संजय चोरड़िया (सह-प्रभारी, सेवा)
M/s Balaji Enterprises
Opp. Cine Magic Cinema, Road No. 5
Rani Bazar, Bikaner - 334001 (Raj.)
M. : 9413684270
e-mail : sanjayjainbkn@gmail.com

World Wide Matrimonial Application

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा समाज में विवाह योग्य युवक–युवतियों के परिचय हेतु Social Media के इस युग में **'World Wide Matrimonial Application'** को लाँच किया है। जिसमें युवक–युवतियां अपने Bio Data को App में रजिस्टर्ड कर सकते हैं जिससे इन Data को App के माध्यम से देखा जा सकता है।

Available on the Google play

Available now on App Store

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें : **श्री भूपेश कोठारी**, +91 98921 99920, e-mail : superbondindia@yahoo.com

YUVA HORIZON

परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमणजी के कर – कमलों द्वारा दिनांक 3.11.2012 को जसोल में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा प्रकाशित अंग्रेजी पत्रिका **YUVA HORIZON** का विमोचन हुआ। संस्कार निर्माण के उद्देश्य के साथ समसामयिक विभिन्न विषयों पर आधारित यह पत्रिका अंग्रेजी भाषा में रूचि रखने वालों, विशेषकर युवा पीढ़ी के लिए उपयोगी है। समस्त परिषदें इस पत्रिका के अधिक से अधिक सदस्य बनाने का प्रयास करें। सदस्यता शुल्क निम्न प्रकार है :–

6 अंक **350/–** **12 अंक** **700/–**

श्री अमित नाहटा (पर्यवेक्षक)
Sri Jain Distributors
Mahavir Nagar, Araria Court - 854 311, Bihar
Mob : 09931708149, E-mail : amitabtyp@gmail.com

श्री राजेश जम्मड़ (प्रभारी–प्रकाशन)
C/o Sumer Cloth Store
44 , Radha Bazar, Fancy Bazar,
Guwahati - 781 001 (Assam)
Mob : 09435011392, E-mail : r_jamar@yahoo.com

युवादृष्टि विशेषांक (अर्पण)

आचार्य तुलसी जन्म शताब्दी पर प्रकाशित युवादृष्टि का विशेषांक ''अर्पण'' का लोकार्पण पूज्य प्रवर के करकमलों से दिनांक 14 नवम्बर 2013 को लाडनूं में सम्पन्न हुआ। विशेषांक वितरण केन्द्रों के माध्यम से युवादृष्टि सदस्यों तक पहुँचाया जा रहा है। विलम्ब के लिए क्षमा प्रार्थी है। केन्द्रों की जानकारी एवं उपहार कूपन युवादृष्टि के नवम्बर 2013 अंक के साथ प्रेषित किया जा चुका है।

सम्पर्क सूत्र : – **1. प्रफुल्ल बेताला** – **09337267213**
2. नितेश बैद – **09312255404**

आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेन्टर

सेवा के क्षेत्र में स्थायी उपक्रमों में एकरूपता हो इस उद्देश्य के साथ शाखा परिषदों द्वारा डायग्नोस्टिक सेन्टर का संचालन हो, ऐसा निर्णय किया गया है। सभी शाखा परिषदों से अपेक्षा है कि अपने–अपने क्षेत्र में आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर का प्रारम्भ व संचालन करने की दिशा में अतिशीघ्र सलक्ष्य प्रयास करें। इस श्रृंखला में तेयुप विजयनगर, तेयुप बेंगलोर, तेयुप उधना, तेयुप सूरत, व तेयुप सिरसा द्वारा डायग्नोस्टिक सेंटर का प्रारम्भ हो गया है। डायग्नोस्टिक सेन्टर की विस्तृत जानकारी के लिये संपर्क करें।

श्री विमल कटारिया (पर्यवेक्षक)
Records/Recognition
Vaishnodevi Souhardha Credit Co-Op Ltd.
550, 1st Floor, 4th Cross, 7th Main,
Hampinagar, Vijaynagar, Banglore - 560104 (Karnataka)
Mob : 09620799999, E-mail : vimalabtyp@gmail.com

श्री मुकेश गुगलिया (प्रभारी–ATDC)
Pushpak Fashion
697/41 Dhanlaxmi Market, Opp. L K Trust Bldg.,
Revdi Bazar, Ahmedabad - 380 002
Mob : 09825451442, E-mail : m_gugaliya@yahoo.co.in

अभातेयुप इतिहास

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् अपना स्वर्ण जयंति वर्ष मना रहा है। पचास साल के लम्बे सफर में परिषद् को आचार्य श्री तुलसी, आचार्य श्री महाप्रज्ञ व वर्तमान में आचार्य श्री महाश्रमण जी का दिशा निर्देश व आशिर्वाद प्राप्त है। स्थापना दिवस ''17 सितम्बर 1964'' से लेकर आज तक कई युवा साथियों ने परिषद् का नेतृत्व किया है। सबने अपने श्रम, पौरुष व कार्य कुशलता से परिषद् को नई ऊचाईयाँ प्रदान की है। अभातेयुप ने भी समय–समय पर युवा शक्ति को विभिन्न अलंकरणों से सम्मानित किया है।

अभातेयुप की वर्तमान टीम पचास साल के इतिहास को समाज के सामने प्रस्तुत करने जा रही है। जिसमें अभातेयुप के पूर्व अध्यक्ष, महामंत्री साथ ही अलंकरण से सम्मानित युवक रत्न, युवा गौरव, सेवाव्रती, आचार्य महाप्रज्ञ प्रतिभा पुरस्कार, आचार्य महाश्रमण युवा व्यक्तित्व पुरस्कार व श्रेष्ठकार्यकर्त्ता आदि महानुभावों से आलेख व संस्मरण आमंत्रित किये है, सबको जानकारी हेतु पत्र प्रेषित किये जा चुके हैं।

वर्तमान अभातेयुप सदस्य व शाखा परिषदों से निवेदन है कि आपके क्षेत्र में सम्बन्धित महानुभावों से सम्पर्क कर आलेख अध्यक्षीय कार्यालय भेजने का अनुरोध करें। इतिहास लेखन की आयोजना व संयोजना में आप सबका सहयोग अपेक्षित है।

भवन विकास (युवा संगम) हेतु आर्थिक सहयोग का आह्वान

जैन विश्व भारती 'लाडनूं' के समीप 'युवा संगम' का दिनांक : 27 अक्टूबर 2013 को आचार्य श्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में उद्घाटन समारोह हुआ। 'युवा संगम' में अवशेष कार्यों को सम्पादित करने हेतु सभी युवा साथियों एवं तेरापंथ समाज के श्रावक–श्राविकाओं से अनुरोध है कि भवन विकास में सहयोग अवश्य प्रदान करें। सहयोग राशि आप SBI, Ladnun A/c No. 30313076278 एवं OBC, Ladnun A/c No. 10272010002800 में जमा करा सकते हैं। जमा राशि की रसीद (Bank Counter Slip) कार्यालय में अविलम्ब भिजवाएं। अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें –

श्री बी.सी. भलावत (पर्यवेक्षक)

Sunrise Housing Constructions Ltd.
Sunbeam Chambers, Ground Floor, New Marine Lines,
Opp. Liberty Cinema, Mumbai - 400020 (Maharashtra)
Mob : 09821117813, E-mail : bcjainabtyp@gmail.com

श्री राजेश चावत (प्रभारी–भवन निर्माण एवं विकास)

Prem Jewellers
No. 7, 327/328/10, 1st Main, Chandra Layout,
Widia Layout, Vijaynagar, Bangalore - 560040
Mob : 09880208600, E-mail : nrajesh8600@gmail.com

युवावाहिनी

युवावाहिनी तेरापंथ युवक परिषद् के संघीय और सामाजिक आवश्यकताओं के लिए प्राथमिकता के साथ रहने वाले सदस्यों का एक केन्द्रीयकृत नेटवर्क है।

तेरापंथ युवक परिषद् की समस्त शाखाएं अपने यहाँ युवावाहिनी का गठन करें। इनमें अपनी परिषद् के 10–20 प्रतिशत सदस्यों का एक समूह **युवावाहिनी** के नाम से बनाएं। जिसमें उन युवकों को प्राथमिकता दी जाये जो परमपूज्य आचार्यप्रवर की रास्ते की सेवा/संघीय आयोजनों, विभिन्न कार्यों में स्वयं को नियोजित करने में विशेष रूचि रखते हों। युवावाहिनी के सदस्यों का स्वास्थ्य सामान्यतः अच्छा हो, इसका भी ध्यान रखें। ये सदस्य संघ को मिलिट्री फोर्स की तरह सेवा देने के लिए तत्पर रहें।

युवावाहिनी के सदस्यों की सूची राष्ट्रीय महामंत्री श्री हनुमानचंद लुंकड़ को प्रेषित करें।

अभातेयुप क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुसार परिषदों के अध्यक्ष के माध्यम से युवावाहिनी की सेवाओं के लिए निर्देशित करेगी। आचार्यप्रवर के दिल्ली चातुर्मास के पश्चात् सुदीर्घ पूर्वोत्तर यात्रा में रास्ते की सेवा में युवावाहिनी की विशेष भूमिका परिलक्षित हो।

इस सम्बन्ध में विशेष जानकारी के लिए संगठन मंत्री अमित नाहटा से सम्पर्क किया जा सकता है।

श्री अमित नाहटा (संगठन मंत्री, अ.भा.ते.यु.प)

Sri Jain Distributors
Mahavir Nagar, Araria Court - 854 311, Bihar
Mob : 09931708149, E-mail : amitabtyp@gmail.com

चौका ''सत्कार''

गुरुदर्शन व सेवा हेतु समागत युवा साथियों के सत्कार के लिए 6 दिसम्बर 2013, रतनगढ़ से आगे निरंतर स्थाई रूप से चल (मोबाईल) **''सत्कार''** व्यवस्था प्रारम्भ की गई है। दिल्ली चातुर्मास प्रवास काल में भी अनवरत चल रही है जो बिराटनगर तक जारी रहेगी। सभी युवा साथियों का इसमें स्वागत है। व्यवस्था हेतु कृपया पूर्व सूचना अवश्य दें।

श्री गजेन्द्र बोथरा (प्रभारी – डेरा व्यवस्था)	–	**09414116841**
श्री किशोर भंसाली	–	**09374614000**
श्री राजू हीरावत	–	**09166760363**

अभातेयुप के पदाधिकारी/प्रभारी/कार्यकारिणी सदस्य/क्षेत्रीय सहयोगी द्वारा की गई यात्राओं का संक्षिप्त विवरण।

श्री अविनाश नाहर - अध्यक्ष

दिनांक	स्थान	सान्निध्य	कार्यक्रम	सहयोगी
03.08.2014	बेंगलोर	--	ATDC Free Camp	श्री हनुमानचन्द लूंकड़, श्री कैलाश बोराणा
03.08.2014	बेंगलोर	साध्वीश्री कंचनप्रभाजी	व्यक्तित्व विकास कार्यशाला	श्री हनुमानचन्द लूंकड़, श्री कैलाश बोराणा श्री सुशील चोरड़िया, श्री ललित माण्डोत श्री रमेश कोठारी, श्री रोहित कोठारी
03.08.2014	विजयनगर-बेंगलोर	समणी निर्देशिका निर्माणप्रज्ञाजी	संगठन यात्रा	श्री हनुमानचन्द लूंकड़
05.08.2014	चैन्नई	साध्वीश्री कुन्थुश्रीजी	सेवा, उपासना	श्री हनुमानचन्द लूंकड़, श्री गौतम डागा श्री अलंकार आच्छा, श्री रमेश डागा श्री विनोद डागा, श्री भरत मरलेचा श्री मुकेश मूथा
07.08.2014	दिल्ली	आचार्यप्रवर	सेवा, उपासना	श्री हनुमानचन्द लूंकड़, श्री अमित नाहटा श्री सुरेश दूगड़
11.08.2014	डोंबिवली-मुम्बई	--	शपथ ग्रहण समारोह	श्री बी. सी. भलावत, श्री रमेश सुतरिया श्री देवेन्द्र डागलिया, श्री पंकज सिसोदिया श्री मनोज सिंघवी, श्री तनसुख चोरड़िया श्री संदीप कोठारी, श्री निर्मल कुमठ श्री योगेश चौधरी, श्री राजेन्द्र मूथा श्री जगत संचेती, श्री जयन्ती बरलोटा
15.08.2014	भायंदर-मुम्बई	मुनिश्री संजयकुमारजी मुनिश्री प्रसन्नकुमारजी	युवा सम्मेलन 'आरोहण'	श्री बी. सी. भलावत, श्री नरेन्द्र मांडोतर श्री संजय जैन, श्री हस्ती सुतरिया श्री देवेन्द्र डागलिया, श्री पंकज सिसोदिया श्री मनोज सिंघवी, श्री संदीप कोठारी श्री योगेश चौधरी, श्री राजेन्द्र मूथा श्री जगत संचेती, श्री जयन्ती बरलोटा श्री भूपेश कोठारी
17.08.2014	जयपुर	--	MBDD GWR Seminar	श्री सुरेन्द्र सेठिया, श्री विमल कटारिया श्री गौरव जैन, श्री हितेश भांडिया श्री कान्तिलाल ढ़ेलड़िया, श्री छवि बैंगाणी
27.08.2014	जयपुर	--	MBDD Press Conference	श्री सुरेन्द्र सेठिया, श्री हितेश भांडिया श्री पन्नालाल पुगलिया, श्री कैलाश डागा श्री सुधीर चौरड़िया, श्री नवीन बांठिया श्री पंकज दूगड़
01.09.2014	दिल्ली	आचार्यप्रवर	अधिवेशन व्यवस्था निरीक्षण	श्री बी. सी. भलावत, श्री सुरेन्द्र सेठिया श्री मनोज नाहर, श्री मुकेश सेठिया श्री अशोक संचेती, श्री संदीप डूंगरवाल श्री अरूण सेठिया
06.09.2014	जयपुर	--	MBDD Centres निरीक्षण	श्री हनुमानचन्द लूंकड़, श्री सुरेन्द्र सेठिया श्री गौरव जैन, श्री हितेश भांडिया श्री पन्नालाल पुगलिया, श्री छवि बैंगाणी
07.09.2014	सिरीयारी	मुनिश्री मणिलालजी स्वामी	आचार्य भिक्षु धम्म जागरणा	श्री हनुमानचन्द लूंकड़, श्री संजय जैन श्री महावीर सेमलानी
09.09.2014	दिल्ली	आचार्यप्रवर	अलंकरण घोषणा	श्री हनुमानचन्द लूंकड़, श्री मनोज नाहर श्री मुकेश सेठिया, श्री अशोक संचेती श्री संदीप डूंगरवाल, श्री अरूण सेठिया

दिनांक	स्थान	सान्निध्य	कार्यक्रम	सहयोगी
14.09.2014	दिल्ली	आचार्यप्रवर	3rd W. C. Meeting	अभातेयुप परिवार
15-16.09.2014	दिल्ली	आचार्यप्रवर	48वां वार्षिक अधिवेशन	अभातेयुप परिवार
17.09.2014	दिल्ली	आचार्यप्रवर	स्वर्ण जयन्ती समारोह	अभातेयुप परिवार
28.09.2014	केलवा	शासनश्री साध्वीश्री नगीनाश्रीजी	मेवाड़ स्तरीय किशोर मंडल सम्मेलन 'लक्ष्य के प्रति उड़ान'	श्री सुरेन्द्र सेठिया, श्री नवीन वागरेचा श्री रमेश सोनी, श्री विनोद मांडोत श्री रतन दूगड़, श्री प्रवीण ओस्तवाल श्री लक्की कोठारी, श्री दीपक सिंघी श्री दिनेश कोठारी, डॉ.विमल कावड़िया
29.09.2014	दिल्ली	आचार्यप्रवर	कल्याण परिषद् बैठक	--

श्री बी. सी. जैन (भलावत) - उपाध्यक्ष

दिनांक	स्थान	सान्निध्य	कार्यक्रम	सहयोगी
25.08.2014	मुम्बई	--	MBDD Press Conference	श्री पंकज सिसोदिया, श्री मनोज सिंघवी श्री संदीप कोठारी, श्री तनसुख चोरड़िया श्री राजेन्द्र मूथा, श्री निर्मल कुमठ श्री जगत संचेती, श्री जयंती बरलोटा श्री भूपेश कोठारी

श्री हनुमान लूंकड़ - महामंत्री

दिनांक	स्थान	सान्निध्य	कार्यक्रम	सहयोगी
15.08.2014	हुबली	साध्वीश्री काव्यलताजी	JTN प्रशिक्षण कार्यशाला	श्री विमल कटारिया, श्री जितेन्द्र पालगोता श्री महावीर सेमलानी, श्री संजय बैद मेहता श्री राजेन्द्र छलानी
28.08.2014	हैदराबाद	साध्वीश्री संगीतप्रभाजी	सेवा, उपासना	श्री विमल कटारिया, श्री राजेन्द्र बोथरा श्री नवीन सुराणा
28.08.2014	हैदराबाद	--	MBDD Press Conference	श्री विमल कटारिया, श्री राजेन्द्र बोथरा श्री नवीन सुराणा
19.09.2014	पाली	साध्वीश्री विनयश्रीजी	सेवा, उपासना	श्री प्रमोद भंसाली
20.09.2014	जोधपुर	साध्वीश्री गुलाबकंवरजी साध्वीश्री सुमनश्रीजी	आचार्य तुलसी चौराहा उद्घाटन	--
23.09.2014	सूरत	साध्वीश्री सुदर्शनाश्रीजी	सेवा, उपासना	श्री विजय पालगोता, श्री नरपत कोचर
23.09.2014	उधना	मुनिश्री सुब्रतकुमारजी	प्रवचन	श्री अनिल चिंडालिया, श्री विजय पालगोता

श्री संजय जैन - सहमंत्री 'प्रथम'

दिनांक	स्थान	सान्निध्य	कार्यक्रम	सहयोगी
12.08.2014	बारडोली	साध्वीश्री कैलाशवतीजी	सेवा, उपासना	--
13.08.2014	सूरत	साध्वीश्री सुदर्शनाश्रीजी	संगठन यात्रा	श्री किशोर भंसाली, श्री नरपत कोचर श्री मिलन सिंघवी
13.08.2014	उधना	मुनिश्री सुब्रतकुमारजी	संगठन यात्रा	श्री विजय पालगोता, श्री किशोर भंसाली श्री नरपत कोचर
31.08.2014	फतेहाबाद	साध्वीश्री मंजूप्रभाजी	संगठन यात्रा	श्री दीपक पुगलिया
31.08.2014	भूना	--	संगठन यात्रा	श्री दीपक पुगलिया
31.08.2014	उकलाना	--	संगठन यात्रा	श्री दीपक पुगलिया
31.08.2014	उचाना	साध्वीश्री विद्यावतीजी	संगठन यात्रा	श्री दीपक पुगलिया
31.08.2014	बरवाला	--	तेयुप गठन शपथ ग्रहण समारोह	श्री दीपक पुगलिया

श्री विमल कटारिया - कोषाध्यक्ष

दिनांक	स्थान	सान्निध्य	कार्यक्रम	सहयोगी
03.08.2014	कोलकाता	साध्वीश्री अणिमाश्रीजी	MBDD GWR Seminar	श्री बसंत पटावरी, श्री अमित पारेख श्री सुनील दूगड़, श्री राजेश बैद श्री राजेश गोठी

श्री नवीन वागरेचा - प्रभारी, किशोर मण्डल

दिनांक	स्थान	सान्निध्य	कार्यक्रम	सहयोगी
03.08.2014	पुर	साध्वीश्री जिनबालाजी	शपथ ग्रहण समारोह	--

श्री संजीव बैद - प्रभारी, व्यक्तित्व विकास

दिनांक	स्थान	सान्निध्य	कार्यक्रम	सहयोगी
13.08.2014	रोहतक	--	संगठन यात्रा	श्री कुलदीप सुराणा, श्री दीपक पुगलिया
13.08.2014	भिवानी	साध्वीश्री उज्ज्वलकुमारीजी	संगठन यात्रा	श्री कुलदीप सुराणा, श्री दीपक पुगलिया
13.08.2014	तोषाम	--	संगठन यात्रा	श्री कुलदीप सुराणा, श्री दीपक पुगलिया
13.08.2014	हांसी	साध्वीश्री जगतप्रभाजी	संगठन यात्रा	श्री कुलदीप सुराणा, श्री दीपक पुगलिया
13.08.2014	जिंद	साध्वीश्री यशोदराजी	संगठन यात्रा	श्री कुलदीप सुराणा, श्री दीपक पुगलिया
13.08.2014	बरवाला	--	संगठन यात्रा	श्री कुलदीप सुराणा, श्री दीपक पुगलिया

श्री मनोज सिंघवी - कार्यसमिति सदस्य

दिनांक	स्थान	सान्निध्य	कार्यक्रम	सहयोगी
22.08.2014	भायंदर	मुनिश्री संजयकुमारजी	सेवा, उपासना	--
24.08.2014	वाशी	--	संगठन यात्रा	श्री अनिल सांखला, श्री तनसुख चोरड़िया

श्री कुलदीप जैन सुराणा - क्षेत्रीय सहयोगी

दिनांक	स्थान	सान्निध्य	कार्यक्रम	सहयोगी
31.08.2014	मानसा	--	संगठन यात्रा	श्री नवीन जैन
31.08.2014	सुनाम	साध्वीश्री तिलकश्रीजी	संगठन यात्रा	श्री नवीन जैन
31.08.2014	समाना	साध्वीश्री धर्मप्रभाजी	संगठन यात्रा	श्री नवीन जैन
31.08.2014	नाभा	साध्वीश्री अमितप्रभाजी	संगठन यात्रा	श्री नवीन जैन
31.08.2014	संगरूर	मुनिश्री तत्वरुचीजी	संगठन यात्रा	श्री नवीन जैन
31.08.2014	धुरी	साध्वीश्री ललितप्रभाजी	संगठन यात्रा	श्री नवीन जैन

श्री महावीर सेमलानी - कार्यकारी सम्पादक, मीडिया

दिनांक	स्थान	सान्निध्य	कार्यक्रम	सहयोगी
09.09.2014	आमेट	मुनिश्री अर्हतकुमारजी मुनिश्री भरतकुमारजी	JTN प्रशिक्षण कार्यशाला	श्री लक्की कोठारी, श्री प्रवीण ओस्तवाल श्री संजय बैद मेहता

परिषद् गठन

बरवाला (हरियाणा), शाखा प्रभारी-श्री दीपक पुगलिया
चिखली (गुजरात), शाखा प्रभारी-श्री अनिल चिंडालिया

पुनर्गठन

नेरूल (महाराष्ट्र)
जोरावरपुरा (राजस्थान)

पदोन्नति

:: कार्यसमिति सदस्य ::

श्री किशोर भंसाली, श्री मनोज नाहर, श्री मनोज संघवी, श्री राजेन्द्र मूथा, श्री तरीन मेहता,

:: क्षेत्रीय सहयोगी ::

श्री भूपेश कोठारी, श्री जगत संचेती, श्री मुकेश सेठिया (सह-प्रभारी दिल्ली कार्यालय)

अभातेयुप 48वां वार्षिक अधिवेशन

दिनांक : 15 सितम्बर 2014

★ **उद्घाटन सत्र**

- अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के 48वें वार्षिक अधिवेशन के शुभारम्भ पर संघमहानिदेशिका साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी ने युवाओं को प्रेरणादायी उद्बोधन में फरमाया कि युवाओं में शक्ति होती है। युवा के रोम-रोम में शक्ति का स्रोत प्रवाहित रहता है। युग को बदलने के लिए शक्ति का उपयोग करना है तो अपने जीवन की धारा बदलनी होगी और खुद की धारा बदले बिना समाज व देश की धारा को बदलना मुश्किल है। दुनिया को बदलने की तमन्ना अगर है तो पहले स्वयं को बदलना होगा। व्यक्ति स्वयं के बारे में सोचेगा तो संघ के बारे में सोचेगा। वह संघ के साथ जुड़े, दायित्व के प्रति कटिबद्ध बने। साध्वीप्रमुखाश्रीजी ने चार सूत्र देते हुए फरमाया कि युवा शक्तिसम्पन्न बनें, बुद्धिसम्पन्न बनें, टीम भावना से काम करें तथा जुनून रखें।
- साध्वीश्री जिनप्रभा ने फरमाया कि आचार्य तुलसी जन्म शताब्दी पर युवा आगे बढ़ने व अपने कर्तृत्व को उजागर करने के लिए संकल्पित हों। साध्वीश्री कल्पलता ने फरमाया कि हम सबमें नायक बनने की क्षमता है। युवकों में बचपन से ही नेतृत्व का गुण होता है।
- राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अविनाश नाहर ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि '**योगक्षेमं वहाम्यम्**' अप्राप्त की प्राप्ति व प्राप्त का संरक्षण हमारा ध्येय है। जिस पर हमें ध्यान देना अपेक्षित है। अभातेयुप के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री सुखराज सेठिया ने अपने संस्मरण दोहराए। महामंत्री श्री हनुमानचन्द लूंकड़ ने वर्ष-भर की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।
- श्री अविनाश नाहर व युवाओं द्वारा श्रावक निष्ठा-पत्र का वाचन किया गया। सभी पदाधिकारियों ने अधिवेशन किट साध्वीप्रमुखाश्रीजी को भेंट की। दिल्ली तेयुप अध्यक्ष श्री अशोक संचेती ने स्वागत वक्तव्य दिया। श्री संदीप डूंगरवाल द्वारा आभार ज्ञापन किया गया। संचालन श्री बी. सी. जैन (भलावत)-उपाध्यक्ष 'प्रथम' ने किया।

★ **Growth Opportunities In India In Coming Decade & Youth Power**

- अधिवेशन के प्रथम दिन के सत्र में प्रसिद्ध उद्योगपति श्री नवीन जिंदल ने 'Growth Opportunities In India In Coming Decade & Youth Power' पर अपना वक्तव्य दिया तथा देश सेवा के लिए नैतिकता व ईमानदारी को महत्त्वपूर्ण बताया।
- युवकों ने श्री जिंदल से कई महत्त्वपूर्ण प्रश्न पूछे, जिनके जवाब श्री जिंदल ने दिये। श्री नवीन जिंदल ने कहा कि मैं आचार्य तुलसी को शत-शत नमन करता हूँ। यह उनका ही आशीर्वाद है कि मैं अपने परिवार, आप लोगों के बीच आया हूँ। उन्होंने कहा कि जीवन में जो बदलाव लाना चाहते हैं उसे सिर्फ बोलकर न छोड़ें। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि हम उस दिशा में काम करें। हम गुरुदेव के बताए रास्ते पर चलकर काम करें। तेयुप का काम मेरा खुद का काम है। यहाँ आकर अच्छा लगा। आभार श्री नवीन वागरेचा ने ज्ञापित किया। संचालन श्री नरेन्द्र मांडोतर-उपाध्यक्ष 'द्वितीय' ने किया।

★ **कैसे हो ऊर्जा का सकारात्मक निवेश**

- मुनिश्री उदितकुमार ने 'कैसे हो ऊर्जा का सकारात्मक निवेश' विषय पर अपने महत्त्वपूर्ण उद्बोधन में फरमाया कि हम एक उम्र हो जाने पर भी युवकत्व की सोच रखें। हमारी Thinking, भाषा, मन सब कैसे हैं इस पर Depend होता है कि हम युवा हैं या नहीं। अगर हमारी उम्र युवा है पर विचार ईर्ष्या से परिपूर्ण व प्रौढ़ हैं तो वह नई सोच नहीं हो सकती है पर उम्र ज्यादा है लेकिन चिंतन युवा है तो वह उस उम्र में भी आगे बढ़ सकता है। हम एक-दूसरे के Supportive बनकर ऊर्जा का सकारात्मक प्रयोग करें। आभार ज्ञापन गजेंद्र बोथरा ने किया। संचालन श्री सुरेन्द्र सेठिया-सहमंत्री 'द्वितीय' ने किया।

★ **Youth Empowerment and Enterpreneurship**

- वक्ता श्री सुजीत ललवाणी ने 'Empowerment and Enterpreneurship' विषय पर अपने वक्तव्य में युवाओं को आगे बढ़ने, ज्यादा कमाने की बात कहकर संस्था व संघहित में अपना सक्रिय योगदान देने की बात कही तथा व्यवसाय में सफल होने के टिप्स बताए। संचालन श्री विमल कटारिया-कोषाध्यक्ष ने किया।

★ प्रभारियों द्वारा अभातेयुप गतिविधियों की जानकारी

- इस सत्र में अभातेयुप द्वारा चलाई जा रही विभिन्न महत्त्वपूर्ण गतिविधियों के प्रभारियों ने Power Point Presentation द्वारा अपने कार्यों की अवगति कराई। जैन संस्कार विधि के बारे में श्री धर्मेंद्र डाकलिया, आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर के बारे में श्री मुकेश गुगलिया, जैन तेरापंथ न्यूज (JTN) के बारे में श्री संजय बैदमूथा, भवन निर्माण के बारे में श्री राजेश चावत, प्रकाशन के बारे में श्री राजेश जम्मड़, वेबसाइट के बारे में श्री देवेन्द्र डागलिया, जैन विद्या व जै. वि. भा. विश्वविद्यालय के बारे में श्री रमेश पटावरी, किशोर मण्डल के बारे में श्री नवीन वागरेचा, तेरापंथ मेट्रीमोनियल के बारे में श्री भूपेश कोठारी व श्री संजय चोरड़िया ने मार्ग सेवा की जानकारी प्रदान की। संचालन श्री अमित नाहटा-संगठन मंत्री ने किया।

★ साधारण सदन

- अभातेयुप के अधिवेशन के अंतर्गत राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अविनाश नाहर की अध्यक्षता में साधारण सदन का क्रम रखा गया। जिसका संचालन श्री हनुमानचन्द लूंकड़-महामंत्री ने किया।

दिनांक : 16 सितम्बर 2014

★ प्रवचन

- अभातेयुप के 48वें वार्षिक अधिवेशन के दूसरे दिन पूज्य मंत्री मुनिश्री सुमेरमलजी स्वामी ने युवाओं को संबोधित करते हुए फरमाया कि युवा शक्ति के स्रोत व प्रतीक होते हैं। इसलिए युवकों से संस्था, समाज अपेक्षा रखता है। समाज के युवक आगे बढ़ें यह अपेक्षा रहती है। समाज की, संस्था की गरिमा बढ़े यह अपेक्षा रहती है। युवकों के व्यक्तित्व का निर्माण हो। युवक केवल जयकारा लगाने के लिए नहीं हैं।
- आचार्य तुलसी ने युवकों का संगठन बनाया। मुनिश्री मधुकरजी को दायित्व सौंपा। उन्होंने बखूबी इसे संभाला। उनके मार्गदर्शन से युवकों का परिष्कार हुआ।
- युवकों के अधिवेशन में एक बिंदू यह भी हो कि पिछले वर्ष तत्त्वज्ञान की दृष्टि से आपकी परिषद् कितनी आगे बढ़ी। ऐसा कुछ हुआ है क्या जिससे परिषद् आगे बढ़ी है। युवा अन्य कार्यों में कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं, अगर तत्त्वज्ञान के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित करें तो यह धर्मसंघ के एक गौरवपूर्ण इतिहास का पृष्ठ बनेगा। श्री अविनाश नाहर ने मंत्री मुनिश्री को विश्वास दिलाया कि युवा तत्वज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे तथा युवाओं को तत्वज्ञान का क्रम जारी करने का आह्वान किया।
- मुनिश्री मोहजीतकुमार ने फरमाया कि सजग रहने वाले युवाओं ! आप बूँद से समंदर बन जाओ। हमें ऐसा धर्मसंघ, ऐसे आचार्य का नेतृत्व मिला है तो हमें अब आगे बढ़ना चाहिए। हमें अपनी विवेक चेतना को स्थापित करना होगा।
- मुनिश्री विजयकुमार ने 'आओ युवक आगे - कुछ कर दिखलाना है' गीत का संगान किया।
- श्री विमल कटारिया-कोषाध्यक्ष ने आभार ज्ञापन किया। संचालन श्री संजय जैन-सहमंत्री 'प्रथम' ने किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण यह रहा कि लगभग सभी युवकों ने सामायिक की।

★ MEGA BLOOD DONATION DRIVE

- अभातेयुप द्वारा दिनांक : 6 सितम्बर 2014 को मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव का आयोजन किया गया। जिसमें एक ही दिन में 100212 यूनिट ब्लड एकत्र कर विश्व कीर्तिमान की दिशा में संस्था ने कदम बढ़ाया। इसके लिए विभिन्न स्तरों पर संयोजकों को नियुक्त किया गया। मुख्य संयोजक हितेश भांडिया एवं पर्यवेक्षक के रूप में श्री विमल कटारिया ने अपनी भूमिका निभाई।
- इस सत्र के अंतर्गत संयोजकों में से West Zone से श्री संजय भंसाली, East Zone से श्री अमित पारख, Central Zone से श्री प्रेम बैद, South Zone से श्री अलंकार आच्छा, North Zone से श्री कुलदीप सुराणा, बिहार से श्री राजेश बैद, हरियाणा से श्री संजीव बैद, अंतर्राष्ट्रीय संयोजक श्री सुरेश दुगड़, महाराष्ट्र से श्री अनिल सांखला, मुंबई से श्री राजेंद्र मूथा, बैंगलोर Central Room से श्री ऋषभ बरड़िया ने अपने भावों की अभिव्यक्ति दी। साथ ही तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के अध्यक्ष श्री सलील लोढ़ा, अभातेयुप के निवर्तमान अध्यक्ष श्री संजय खटेड़ ने अपने वक्तव्य में MBDD के सफल आयोजना की शुभकामनाएं दीं।

- इन सबके सम्मान के साथ गुजरात संयोजक श्री मिलन सिंघवी, असम से श्री संजय चोरड़िया, उड़ीसा से श्री विरेंद्र जैन, पश्चिम बंगाल से श्री सुनील दुगड़, तमिलनाडु से श्री रमेश डागा, आंध्र प्रदेश से श्री राजेंद्र बोथरा, पंजाब से श्री नवीन जैन, हरियाणा से श्री संजीव बैद व श्री दीपक पुगलिया, दिल्ली से श्री संदीप डूंगरवाल, राजस्थान से श्री कांतिलाल ढ़ेलड़िया, बेंगलोर Control Room से श्री विकास छाजेड़ व श्री प्रदीप छाजेड़, MBDD Song के लिए श्री मनीष पगारिया, वेबसाइट के लिए श्री गर्वित चोरड़िया, Facebook के लिए श्री नितेश कोठारी, कार्यकर्ता के तौर पर श्री मुकेश सेठिया का प्रतीक चिह्न द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों ने सम्मान किया।
- परिषदों में सबसे ज्यादा रक्त यूनिट एकत्र करने वाली परिषद् में क्रमशः चैन्नई, कोलकाता, जयपुर, दिल्ली, अहमदाबाद व छोटी परिषदों में क्रमशः जलगाँव, रतलाम, दुर्ग-भिलई का सम्मान राष्ट्रीय अध्यक्ष व पदाधिकारियों ने किया। संचालन श्री विमल कटारिया-पर्यवेक्षक MBDD GWR ने किया।

★ युवाओं के DNA में हो युवकत्व

- दोपहर के सत्र में मुनिश्री अभिजीतकुमारजी का 'युवाओं के DNA में हो युवकत्व' विषय पर प्रेरणादायी वक्तव्य हुआ। जिसमें मुनिश्री ने फरमाया कि हम तेरापंथी हैं। हमारे खून में अनुशासन, मर्यादा, सेवा का संस्कार है। हमारे अच्छे संस्कार, अच्छे भाव DNA के द्वारा आगे-से-आगे पीढ़ियों में जा रहे हैं। हमारे इस भैक्षव शासन में भिक्षु स्वामी के शासन से अब तक एक गुरु एक विधान की परम्परा चल रही है। जिसके कारण हमारा अस्तित्व बना हुआ है। संचालन ने श्री अमित नाहटा-संगठन मंत्री ने किया।

★ कैंसर : कारण व निवारण

- कैंसर विशेषज्ञ डॉ. राजेश कुंडलिया ने 'कैंसर : कारण व निवारण' विषय पर अपना वक्तव्य दिया। जिससे उपस्थित युवाओं में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ी।

★ How To Create Net Worth

- श्री अभय चिंडालिया ने 'How To Create Net Worth' पर अपना भाषण दिया। जो युवकों को काफी प्रभावी लगा।

दोनों विषयों के सत्र का संचालन श्री संजीव जैन बैद ने किया।

★ मूल्यांकन, प्रोत्साहन एवं सम्मान

- अभातेयुप के द्वारा शाखा परिषदों को उनके कार्य के आधार पर पुरस्कृत किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष व पदाधिकारियों ने 48वें वार्षिक अधिवेशन में मुनिश्री उदितकुमार की उपस्थिति में परिषदों को प्रतीक चिह्न प्रदान कर पुरस्कृत किया।

मुनिश्री ने पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को संबोधित करते हुए फरमाया कि गति का नाम युवा है। पुरस्कार इतिश्री नहीं है, यह प्रारंभ है। युवकों को अभी और विकास का अवकाश है। विकास के साथ-साथ संघ सेवा भी करनी है। अपने-अपने क्षेत्र में विचर रहे साधु-संतों की सेवा करने से जानकारी बढ़ने के साथ आध्यात्मिक विकास भी होता है। संचालन श्री हनुमानचन्द लूंकड़-महामंत्री ने किया।

शाखा मूल्यांकन, प्रोत्साहन एवं सम्मान

सम्मानित श्रेष्ठ परिषद्, विशिष्ट परिषद् एवं किशोर मण्डल

पुरस्कार का नाम	परिषद् का नाम
श्रेष्ठ परिषद्	कोलकाता, चैन्नई
विशिष्ट परिषद्, सेवा	विजयनगर-बेंगलोर, सूरत
विशिष्ट परिषद्, संस्कार	अहमदाबाद, गंगाशहर
विशिष्ट परिषद्, संगठन	बेंगलोर, उधना
विशिष्ट तेरापंथ किशोर मण्डल	बेंगलोर, गंगाशहर

सेवा

स्थान / सदस्य संख्या	1 से 100	101 से 300	300 से अधिक
प्रथम	सिरसा	मैसूर	हैदराबाद
द्वितीय	आमेट	इचलकरंजी	भीलवाड़ा
तृतीय	पीलीबंगा	कटक	

संस्कार

स्थान / सदस्य संख्या	1 से 100	101 से 300	300 से अधिक
प्रथम	घाटकोपर	कांदिवली, मुलुंड	बालोतरा
द्वितीय	अमराईवाड़ी-ओढ़व	वाशी	दिल्ली
तृतीय	बारडोली	श्रीडूँगरगढ़	जसोल

संगठन

स्थान / सदस्य संख्या	1 से 100	101 से 300	300 से अधिक
प्रथम	सुनाम	चेम्बूर	मलाड
द्वितीय	जलगांव	डोबिंवली	गुवाहाटी
तृतीय	कोपरी ठाणे	राजसमन्द	सिलीगुड़ी

प्रकाशन

प्रथम : कोलकाता	**द्वितीय :** मैसूर	**तृतीय :** चैन्नई

★ समापन सत्र

- 48वें वार्षिक अधिवेशन के समापन सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अविनाश नाहर ने दिल्ली परिषद् के सहयोग की सराहना की। पूर्वाध्यक्षों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की जिनके नेतृत्व में अभातेयुप ने प्रगति की। अर्थ सहयोगियों, श्रम सहयोगियों के प्रति साधुवाद ज्ञापित किया। अधिवेशन संयोजक श्री बी. सी. जैन (भलावत) ने तेयुप दिल्ली, आचार्य महाश्रमण प्रवास व्यवस्था समिति दिल्ली, अपने सह संयोजक श्री गौरव जैन, श्री संदीप डूंगरवाल, श्री मुकेश सेठिया, श्री अशोक संचेती, विभिन्न समितियों के संयोजक, सदस्यों के साथ प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष मिले सहयोग के प्रति आभार व कृतज्ञता ज्ञापित की।

★ सांस्कृतिक संगीत संध्या

- अभातेयुप के द्वारा शाम को एक भक्तिपरक सांस्कृतिक संगीत संध्या का आयोजन किया गया। इसमें प्रसिद्ध गजल गायक श्री जितेंद्र सिंह ने अपनी सुमधुर स्वरांजलियों से भक्ति की छटा बिखेर दी। तेयुप से जुड़े कई युवा गायकों ने भी अपने भक्ति भावों के साथ गीतों की प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम स्थल को भक्ति से ओतप्रोत कर दिया। संचालन श्री अमित नाहटा-संगठन मंत्री ने किया।

अलंकरण/सम्मान

- अभातेयुप के द्वारा महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमण के पावन सान्निध्य में विभिन्न अलंकारों से सम्बन्धित व्यक्तियों को अलंकृत किया गया। जिसमें आचार्य महाप्रज्ञ प्रतिभा पुरस्कार श्री कैलाश बोराणा, बेंगलोर को प्रदान किया गया। इनके अभिनंदन पत्र का वाचन श्री नरेंद्र मांडोतर, उपाध्यक्ष 'द्वितीय' ने किया। आचार्य महाश्रमण युवा व्यक्तित्व पुरस्कार श्री ओ. पी. जैन, गुड़ामालानी को दिया गया। इनके अभिनंदन पत्र का वाचन श्री सुरेंद्र सेठिया-सहमंत्री 'द्वितीय' ने किया।
- श्रेष्ठ कार्यकर्ता सम्मान से श्री अनिल चिंडालिया-उधना, श्री अनिल सांखला-जलगाँव, श्री नवीन बांठिया-जयपुर, श्री राजेंद्र बोथरा-हैदराबाद, श्री प्रकाश भरसारिया-अहमदाबाद को सम्मानित किया गया है। श्री अमित नाहटा-संगठन मंत्री ने अभिनंदन पत्र का वाचन किया। विशिष्ट परिषद् का पुरस्कार कोलकाता व चैन्नई परिषद् को दिया गया।
- पूज्यप्रवर ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में फरमाया कि सम्मान-अलंकरण का उपक्रम चला। जिन्हें सम्मान, पुरस्कार मिला है वे आगे और अच्छा काम करें। महाश्रमण युवा व्यक्तित्व पुरस्कार से सम्मानित श्री ओ. पी. जैन एवं श्री कैलाश बोराणा के अग्रज भाई श्री मदन बोराणा ने अपने वक्तव्य में आचार्यप्रवर के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।
- 48वें वार्षिक अधिवेशन के लिए अनुदानदाताओं श्री राजेश, चिराग चावत-भीम-बैंगलोर, श्रीमती सुरजीत देवी, श्री रामशरण सिंघला-पंचकुला, श्री देवराज, मूलचंद, मुकेश, विकास, पुनीत, चिरायु नाहर परिवार-जाणुंदा-बैंगलोर, श्री जुगराज, महेंद्र, नवीन, विशाल, दक्ष, संयम नाहर-दिवेर-चैन्नई-मैसूर, श्री सुभाषचंद, विमलकुमार, सम्यक्कुमार रुणवाल-जयसिंगपुर (महाराष्ट्र) व श्री भीकमचंद, जीतमल चोरड़िया-बीदासर-दिल्ली का प्रतीक चिह्न द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों द्वारा सम्मान किया गया।

स्वर्ण जयन्ती समापन समारोह

दिनांक : 17 सितम्बर 2014

★ युवा रैली

- अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के द्वारा आयोजित 'युवा रैली' में धवल वस्त्र पहने युवा, गले में केसरिया पट्टी लगाकर पंक्ति में चल रहे थे। 'जन-जन में जागे विश्वास, संयम से व्यक्तित्व विकास', 'जय जय ज्योति चरण-जय जय महाश्रमण', 'नूतन चिंतन नया विकास-युवकों में जागे विश्वास' जैसे उद्घोषों से वातावरण को युवाओं ने गुंजायमान कर दिया। आचार्यप्रवर 5 दिवसीय बहिर्विहार कर पुनः अध्यात्म साधना केंद्र पधारे और मार्ग में युवा रैली का अवलोकन किया। युवाओं ने गुरुदेव का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया, अभिनंदन किया।
- इस रैली के माध्यम से नशामुक्ति, बारह व्रत, MBDD, आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर की झाँकियां प्रदर्शित की गईं जो सबका ध्यान अपनी तरफ आकर्षित कर रही थी। यह रैली विभिन्न स्थानों से होती हुई अध्यात्म साधना केंद्र पहुँची। वहाँ यह प्रवचन सभा में परिणित हो गई। इस रैली की आयोजना में श्री शुभकरण बोथरा (बीकानेर-असम रोड़ लाईन) एवं श्री सुभाष सेठिया का विशेष सहयोग सराहनीय रहा।

★ स्वर्ण जयन्ती समापन समारोह 'मुख्य कार्यक्रम'

- अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के 48वें वार्षिक अधिवेशन व स्वर्ण जयंती समापन समारोह महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में हुआ। इस अवसर पर आचार्यप्रवर ने देश-विदेश से समागत हजारों युवकों को संबोधित करते हुए मंगल वक्तव्य में फरमाया कि मनुष्य के जीवन में ज्ञान का बहुत महत्त्व है। अज्ञान जीवन के लिए अभिशाप होता है। अज्ञान से आवृत्त चेतना वाला व्यक्ति करणीय या अकरणीय का विवेचन नहीं कर सकता। इसलिए जीवन में ज्ञान का विकास होना चाहिए। ज्ञान बहुत कुछ है पर सब कुछ नहीं। ज्ञान के साथ आचार भी अच्छा होना चाहिए। ज्ञान का सार आचार है। गुरुदेव तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन का प्रवर्तन किया। अणुव्रत उपासना को नहीं, आचरण को महत्त्व देता है।
- आचार्यप्रवर ने फरमाया कि अभातेयुप की स्वर्ण जयंती का अवसर है। किसी संस्था के लिए 50 वर्षों का आयुष्य भी अपने आप में महत्त्वपूर्ण होता है। 50 वर्ष विकास की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण रहे हों तो और ज्यादा महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं। युवक संघर्षों से घबराएँ नहीं। स्वर्ण घर्षण से ही निखरता है। युवा संघर्षों को मनोबल के साथ झेले। युवक अपनी वृत्तियों, कषायों से संघर्ष करें। युवक में विवेक होना चाहिए। जोश तो होना अच्छा है पर साथ में होश भी होना चाहिए। जोश विहिन होश व होश विहीन जोश अपने आपमें पर्याप्त नहीं है और होश विहीन जोश गलत हो जाता है। अभातेयुप का शताब्दी का पूर्वार्द्ध सम्पन्न, अब उत्तरार्द्ध सामने है। तेयुप की योजना अच्छी है। उत्तरार्द्ध पूर्वार्द्ध की अपेक्षा और ज्यादा अच्छा बने। पहले शुरुआत थी। उत्तरार्द्ध में तो अब और अच्छा विकास हो। ऐसी योजना हो।
- पूज्यप्रवर ने अभातेयुप के प्रकाशन के लिए फरमाया कि युवादृष्टि पत्रिका निकल रही है। तेरापंथ टाइम्स काफी व्यापक बन गया है। कितने-कितने लोग इसे पढ़ते हैं। ये पत्र-पत्रिकाएँ तेयुप की देन है। समाज के लिए पठनीय बन जाते हैं। युवादृष्टि, तेरापंथ टाइम्स ने विकास किया है। जो विकास अपेक्षित है, वह किया जा सकता है। परिष्कार किया जा सकता है। जहाँ अपेक्षा लगे, परिष्कार करने का प्रयास करना चाहिए। निबंध में परिष्कार अपेक्षित है, वहाँ करें। जिससे वह अच्छा बन सके। परिष्कार होने से उपयुक्त उपयोगी सामग्री आती रहती है। पढ़ने वालों के लिए उपयोगी है। युवा हॉरीजन अंग्रेजी पत्रिका भी उपयोगी हो सकती है।
- आचार्य तुलसी का जन्म शताब्दी वर्ष चल रहा है, तेयुप का स्वर्ण जयंती वर्ष भी चल रहा है यह सहज संयोग हो गया। तेयुप गुरुदेव तुलसी के शासन में जन्मी इसे बढ़ने का मौका मिला। तेयुप आचार्य तुलसी की संतान है। इसे पिता की जन्म शताब्दी के साथ स्वर्ण जयंती मनाने का अवसर मिला है। स्वर्ण अच्छा है, स्वर्ण की निर्मलता व निखार खास बात है। तेयुप में निखार आया है।
- इसके साथ ही पूज्यप्रवर की प्रेरणा से सभी युवाओं ने खड़े होकर पूज्यप्रवर से नशामुक्ति का संकल्प ग्रहण किया।
- मंत्री मुनिश्री सुमेरमलजी स्वामी ने फरमाया कि हर युवक में सामर्थ्य व क्षमता होती है। कोई ऐसा नहीं होता जिसमें सामर्थ्य नहीं होता है। कम ज्यादा तो हो जाता है पर युवा कुछ करने का माद्दा रखता है। मुख्य अतिथि के रूप में Shri Jual Oram - Minister of Tribal Affairs उपस्थित थे।

- अभातेयुप के अध्यक्ष श्री अविनाश नाहर ने अभातेयुप के स्वर्ण जयंती कार्यक्रम का शुभारम्भ की विधिवत घोषणा की। अभातेयुप द्वारा निर्मित 'कल, आज और कल' नामक डॉक्यूमेंट्री फिल्म का फिल्मांकन कर उपस्थित जनमेदिनी को अभातेयुप की गतिविधियों और कार्यकलापों की जानकारी से अवगत करवाया।
- तेयुप दिल्ली के युवा साथियों ने मुनिश्री दिनेशकुमारजी द्वारा रचित '**योगक्षेम वहाम्यम्**' गीत का ओजस्वीपूर्ण संगान किया।
- अभातेयुप के प्रकाशन 'युवादृष्टि' का विशेषांक 'सफर' का लोकार्पण हेतु श्री अविनाश नाहर–अध्यक्ष व प्रधान संपादक, श्री बी. सी. जैन (भलावत)–संयोजक, श्री हनुमानचन्द लूंकड़–महामंत्री, श्री सुधीर चोरड़िया–कार्यकारी संपादक, श्री नवीन बांठिया–सह संपादक, श्री राजेश जम्मड़–प्रभारी प्रकाशन, श्री पंकज सिसोदिया–सह प्रभारी प्रकाशन ने पूज्यप्रवर को भेंट कर उपहृत किया।
- श्री अशोक संचेती–अध्यक्ष तेयुप, दिल्ली ने आभार ज्ञापन किया। संचालन श्री हनुमानचन्द लूंकड़–महामंत्री ने किया।

★ **स्वर्ण जयन्ती समारोह**

- युवामनीषी आचार्य श्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में आयोजित अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के स्वर्ण जयंती समारोह के समापन के अंतर्गत मध्याह्न में आयोजित कार्यक्रम में गुरु दृष्टि से उपस्थित मुनिश्री दिनेशकुमारजी ने युवाओं को अपने प्रेरणादायी वक्तव्य में फरमाया कि मैं आचार्य तुलसी को नमन करता हूँ जिन्होंने अभातेयुप को बनाया है। नमन आचार्य श्री महाप्रज्ञजी को जिन्होंने इसे और ऊँचा उठाया है। आज परिषद् की स्वर्ण जयंती आचार्य श्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में मना रहे हैं और युवा कार्यकर्ताओं ने आसमान को छूने का लक्ष्य बनाया है। आज अभातेयुप से भी बड़ी संस्थाएँ दुनिया में हैं। लेकिन जो काम तेरापंथ युवक परिषद् ने किया वह अन्य नहीं कर सकती। क्योंकि तेरापंथ का वर्चस्व अनुशासन से है। मुनिश्री ने 'ये कदम आगे बढ़ेंगे, भिक्षुगण तेरे लिए' गीत का संगान किया।
- कार्यक्रम के प्रारंभ में श्री धर्मेंद्र डाकलिया ने विजय गीत का संगान किया। श्री सुखराज सेठिया ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया। अभातेयुप के अध्यक्ष श्री अविनाश नाहर ने कार्यक्रम के उद्घाटन की विधिवत घोषणा की। अभातेयुप के भूतपूर्व अध्यक्ष व तेविप संयोजक श्री कन्हैयालाल छाजेड़ ने कहा कि युवकों ने गुरुदेव का विश्वास प्राप्त किया है। कार्यकर्ताओं का जीवनदानी कार्यकर्ता होना जरूरी है। मैं आज युवा हूँ। युवकों के साथ हूँ, साथ रहूँगा, यह मेरा सौभाग्य है।
- युवकरत्न श्री मांगीलाल सेठिया ने कहा कि आचार्य तुलसी ने संपूर्ण विकास का स्वप्न देखा और यह युवा संगठन आज कीर्तिमान बना रहा है। पूर्वाध्यक्ष श्री सुखराज सेठिया ने युवकों से आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि मैं आज भी स्वयं को युवक परिषद् से जुड़ा हुआ महसूस करता हूँ। पूर्वाध्यक्ष श्री दीपचंद नाहर ने कहा कि हमारे समय इतने संसाधन विकसित नहीं थे पर आज इतने संसाधन विकसित हैं और संस्था के कर्मठ कार्यकर्ता पूरा श्रम नियोजित कर धर्म प्रभावना का कार्य कर रहे हैं।
- पूर्वाध्यक्ष श्री रतन दुगड़ ने कहा कि युवक परिषद् से जुड़ने का सौभाग्य मुझे मिला, यह मेरे लिए महत्त्वपूर्ण है। आज इसका नेटवर्क काफी बढ़ गया है। सुचारु रूप से कार्य चल रहे हैं। पूर्वाध्यक्ष श्री गौतमचंद डागा ने कहा कि तेरापंथ युवक परिषद् ने सदैव कीर्तिमान स्थापित किए हैं। हमेशा इसको गुरुदृष्टि मिलती रही है। निवर्तमान अध्यक्ष श्री संजय खटेड़ ने कहा कि हम सब मिलकर संघ व संस्था को नई ऊँचाइयाँ देंगे। हम विकास के सोपानों के साथ आगे बढ़ें।
- वर्तमान अध्यक्ष श्री अविनाश नाहर ने स्वर्ण जयंती के अवसर पर उपस्थित सभी पूर्वाध्यक्षों, अलंकरण व पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं, पूर्व महामंत्रियों व देश–विदेश से समागत युवा शक्ति का स्वागत व अभिवादन करते हुए कहा कि हम सभी का सौभाग्य है कि हमें भैक्षव शासन व महान आचार्यों की शृंखला मिली। हम युवामनीषी की छत्रछाया में नए–नए कीर्तिमान स्थापित कर धर्मसंघ की प्रभावना करेंगे और कर रहे हैं। आज पूरी युवाशक्ति कंधे–से–कंधा मिलाकर विनम्रतापूर्वक कीर्तिमान स्थापित कर रही है। हम गुरु इंगित पर बढ़ रहे हैं। हम सभी आज स्वर्ण जयंती पर संकल्प लें कि हम अन्य गतिविधियों के साथ अध्यात्म में भी, तत्त्वज्ञान में भी प्रगति करेंगे।
- कार्यक्रम में उपस्थित महानुभावों का राष्ट्रीय अध्यक्ष व पदाधिकारियों ने अधिवेशन किट व स्वर्ण जयंती प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। आभार ज्ञापन श्री बी. सी. जैन (भलावत) ने किया। संचालन श्री अविनाश नाहर ने किया।

अभातेयुप 48वें वार्षिक अधिवेशन एवं स्वर्ण जयन्ती समारोह की झलकियाँ

अभातेयुप 48वें वार्षिक अधिवेशन एवं स्वर्ण जयन्ती समारोह की झलकियाँ

अभातेयुप 48वें वार्षिक अधिवेशन एवं स्वर्ण जयन्ती समारोह की झलकियाँ

अध्यक्ष
अविनाश नाहर
''वैभव कुँज'', 51–केशव विहार
गोपालपुरा बाईपास, जयपुर – 302 018 (राजस्थान)
फोनः 0141–2760328, 2760662
फैक्सः 0141–2760148, मोबाईलः 098290 60328
ई–मेलः avinashabtyp@gmail.com

महामंत्री
हनुमान चन्द लुंकड़
विमल टेक्सटाईल शोरूम
बैंगलोर रोड़
सिंधनूर – 584 128, जिला – रायचूर (कर्नाटक)
फोनः 08535.220343, मोबाईलः 09448190343
ई–मेलः hanumanabtyp@gmail.com

पंजीकृत कार्यालयः ''युवालोक'', पो. बॉ. न. 16, लाडनूं – 341 306 (राजस्थान). फोनः 01581–226114. e-mail: abtyp.ladnun@yahoo.in

प्रशासनिक कार्यालयः ''अणुव्रत भवन'', 210 – दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, तीसरी मंजिल, नई दिल्ली – 110 002, फोन : 011–23210593

Society Registration 588/83-84 Dt. 30/03/1984 . NGO unique ID DL/2012/0048117 visit us : www.abtyp.com